बाइपास के समानांतर नयी सड़क

राजधानी को हरा-भरा और सुंदर बनाने के लिए नगर विकास विभाग ने सिटी डेवलपमेंट प्लान तैयार किया है. इसमें कई नयी सड़कों का निर्माण, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, जलजमाव से निजात के लिए नये नालों के निर्माण आदि की योजना तैयार की गयी है. इन योजनाओं को जमीन पर उतारने की जरूरत है, ताकि अपना पटना भी देश की दूसरी राजधानियों की तरह सुंदर बने.

राकेश रंजन ■ पटना

राजधानी को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए नयी सड़कों का निर्माण कराया जायेगा. उन सड़कों की चौड़ाई भी बढ़ायी जायेगी, जहां मुख्य मार्केट स्थित हैं. शहर के भीतर मौजूद बस स्टैंड का आधुनिकीकरण कराया जायेगा. ट्रक टर्मिनल भी बनेगा.

पटना के विकास के लिए सिटी डेवेलपमेंट प्लान में ये सब योजनाएं शामिल हैं. प्लान के तहत शहर के भीतर न्यू बाइपास के समानांतर एक सड़क का निर्माण कराया जायेगा. यह सड़क बाइपास के उत्तर से बनेगी . उस पर समुचित लाइटिंग की व्यवस्था होगी. शहर में मोनो रेल के

सिटी डेवलपमेंट प्लान

निर्माण की भी योजना तैयार की गयी है. इस पर दो हजार करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. इसे चार चरणों में वर्ष 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. वर्ष 2015 तक प्रथम फेज में एक हजार करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. दूसरे फेज का काम वर्ष 2020 तक पूरा करने का लक्ष्य है. इस फेज में 600 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. तीसरे व चौथे फेज का निर्माण कार्य वर्ष 2030 तक पूरा किया जायेगा. इस दौरान 400 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. इसके लिए कई निजी कंपनियों की ओर से नगर विकास एवं आवास विभाग को शेष पेज 21 पर

मोनो रेल	
पहला फेज	पटना जंकशन से गांधी मैदान (तीन किमी)
दूसरा फेज	पटना जंकशन से एयरपोर्ट (छह किमी)
तीसरा फेज	पटना जंकशन से पाटलिपुत्र कॉलोनी (सात किमी)
चौथा फेज	पटना जंकशन से कंकड़बाग तक (छह किमी)

क्या है योजना

- 2000 करोड़ मोनो रेल के निर्माण में होगा खर्च
- 750 करोड़ वॉन नेटल्ड रोड का डेवेलपमेंट व लिंक सड़कों का विकास
- 280 करोड़ गंगा किनारे फोर लेन का निर्माण
- 150 करोड़ बाइपास के उत्तर समानांतर सड़क
- 12.50 करोड़ मुख्य बाजार की सड़कों का विस्तार